

चमत्कार मोरछड़ी का | By Pulkit Singla

श्याम बहादुर श्याम का आया दर्शन लेन
देखो कैयां श्याम ने राखी भगत की टेक

म्हारा श्याम बहादुर जी थे कैयां पट खुलवाया
कैयां पट खुलवाया जी थाने कैयां पट खुलवाया
कैयां पट खुलवाया
म्हारा श्याम बहादुर जी थे कैयां पट खुलवाया

सेवक से मांगी चाबी जद वो कर दी इनकार
सेवक बोल्यो खुद खुलवा ल्यो बाबो थारो यार
बाबो थारो यारो
म्हारा श्याम बहादुर जी थे कैयां पट खुलवाया

इतनी सुनकर गुरुवर बोल्यो अब कोनी दरकार
म्हारो बाबो खुद खोलेगा अपनों यो दरबार
अपनों यो दरबार.....
म्हारा श्याम बहादुर जी थे कैयां पट खुलवाया

जय जयकार करी भगता ने बाबो हांसन लाग्यो
बांको बालक जिद पे अइकर लेन समाधी चाल्यो
लेन समाधी चाल्यो
म्हारा श्याम बहादुर जी थे कैयां पट खुलवाया

लेकर हाथ मोरछड़ी जद श्याम धणी ने ध्यायो
बालक खातिर बाबो उठकर आधी रात ने आयो
आधी रात ने आयो.....
म्हारा श्याम बहादुर जी थे कैयां पट खुलवाया

खोल किवाड़ी दर्शन देकर लाल ने खूब नचायो
फूल की वर्षा हुई घनेरी चमत्कार दिखलायो
चमत्कार दिखलायो
म्हारा श्याम बहादुर जी थे आइयां पट खुलवाया
आइयां पट खुलवाया थाने आइयां पट खुलवाया
म्हारा श्याम बहादुर जी.....

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9a%e0%a4%ae%e0%a4%a4%e0%a5%8d%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%b0-%e0%a4%ae%e0%a5%8b%e0%a4%b0%e0%a4%9b%e0%a4%a1%e0%a4%bc%e0%a5%80-%e0%a4%95%e0%a4%be-by-pulkit-singla/>